सुख रा महल सोवनी साजा,

दोहा समय समय की बात है,
और समय समय में ठीक,
समय बनावे बादशाह,
भई समय मंगावे भीख।

सुख रा महल सोवनी साजा,
ए सूख रा महल सोवनी साजा,
बारी भरमदेलीरा राजा,
बारी भरमदेलीरा राजा ओ,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।।

ए पाच चोर चुगती से पकडो,
ए पाच चोर चुगती से पकडो,
ए तीन गुणो ने ऐसे घेरो,
अरे तीन गुणो ने ऐसे घेरो,
ओ ज्यारी वेगम से गम होई रे,
ज्यारी वेगम से गम होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,

ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।।

ए तालो लागो तलवाने बोरे,
ए तालो लागो तलवाने बोरे,
अरे सतगुरु बिना कैसे खोले,
अरे सतगुरु बिना कैसे खोले,
ओ खुशी जगत कर जोई रे,
अरे खुशी जगत कर जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।।

ए शीतलनाथ संतो की स्वामी,
शीतलनाथ संतो की स्वामी,
अंतरदास वो घननामी,
अंतरदास वो घननामी,
ओ ज्याने दास कबीरसा जोई रे,
ज्याने दास कबीर सा जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।।

सुख रा महल सोवनी साजा,
ए सूख रा महल सोवनी साजा,
बारी भरमदेलीरा राजा,
बारी भरमदेलीरा राजा ओ,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
ज्यारी अविगत से गत होई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
ए ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
ज्याने ओम सोम मे जोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे,
मारो मन माला मे पोई रे ओ जी।।

गायक संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक मनीष सीरवी
9640557818

Source: https://www.bharattemples.com/sukh-ra-mahal-sovani-saja/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw